**कारनामा** कटंगी नगर परिषद में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र का बड़ा खुलासा, कांग्रेस ने दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

# 16 साल के बालक को कागजों पर बाना डाला बालिग

**नवभारत, कटंगी, जबलपुर।** कटंगी नगर परिषद में एक सनसनीखेज और गंभीर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है, जहां भ्रष्टाचार और लापरवाही की सारी हदें पार करते हुए एक 16 वर्षीय नाबालिग को कागजों में 19 साल का बालिग बना दिया गया।

नगर परिषद द्वारा जारी इस फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के उजागर होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर कांग्रेस के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को ज्ञापन सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

### 16 की जगह नगर परिषद के दस्तावेजों में बताया 19 वर्ष

मिली जानकारी के अनुसार, कटंगी नगर परिषद द्वारा एक नाबालिग युवक का फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया है। असलियत में जिस युवक की उम्र महज 16 वर्ष है, उसे नगर परिषद के दस्तावेजों में 19 वर्ष का दिखाकर बालिक घोषित कर दिया गया। इस धांधली के सामने आते ही नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

### कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने सौंपे सबूत

इस फर्जीवाड़े के विरोध में कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल आज कटंगी नगर परिषद कार्यालय पहुंचा। नेताओं ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम एक शिकायती पत्र सौंपा। इस पत्र के साथ कांग्रेस नेताओं ने पुख्ता सबूत के तौर पर संबंधित युवक का फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, उसकी असली मार्कशीट और आधार कार्ड भी संलग्न किए हैं, जो साफ तौर पर उम्र की हेराफेरी को साबित करते हैं। जिस पर कांग्रेस नेताओं ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि इस पूरे मामले की 24 घंटे के अंदर निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो वे इस मामले की लिखित शिकायत सीधे जिला कलेक्टर से करेंगे और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

### ज्ञापन सौंपते समय ये रहे मौजूद

ज्ञापन सौंपते समय मुख्य रूप से पाटन-कटंगी-मझौली विधानसभा के युवा कांग्रेस अध्यक्ष ललित सोनी, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र शुक्ला, मनीष चौरसिया, नितिन राजपूत, महेंद्र नेमा, रितेश सिंघाई, आसिफ खान और रमन सेन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। ज्ञातव्य हो कि स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि नाबालिग को बालिग बनाने के पीछे किसी बड़े रैकेट या शासकीय योजनाओं/कानूनी मामलों से बचने का हाथ हो सकता है। अब देखना यह होगा कि नगर परिषद प्रशासन इस पर क्या रुख अपनाता है।

# शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने पहुंचे विश्नोई

**पनागर, नवभारत।** भाजपा नगर मंडल उपाध्यक्ष सतीश पटेल के पिता एवं सेवानिवृत्त शिक्षक प्रताप सिंह पटेल का 68 वर्ष की आयु में निधन होने पर पूर्व मंत्री पाटन विधायक अजय विश्नोई पटेल गंज स्थित शिव मंदिर के सामने निवासी आशीष एवं अनिल पटेल के निवास पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिजनों को ढांढस बंधाते हुए अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।इस दौरान दिनेश चौरसिया, अजीत जैन, सुरेश ताम्रकार, राजू ताम्रकार, लकी उपाध्याय, विवेक सैनी, संजय ताम्रकार सहित पटेल परिवार के सदस्य एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# तीसरे दिन हुआ भगवान का अभिषेक

**श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान में उमड़ रहे श्रद्धालु**

**पनागर, नवभारत।** पनागर में चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के अनुष्ठान के तीसरे दिवस प्रात: 6.30 बजे से भगवान का अभिषेक किया गया। इस मौके पर मुनि श्री निरुपम सागर के मुखारविन्द से शांतिधारा की महिमा और वाचन हुआ। वहीं मुनि श्री निर्दोष सागर महाराज ने श्रीपाल चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि उज्जैनी नगरी के राजा महिपाल ने अपनी दोनों पुत्रियों सुर सुंदरी, मैना सुंदरी को शिक्षा के लिए भिन्न स्थानों पर भेजा। जिसमें एक को गुरुकुल तो दूसरी को आर्यिका संघ में भेजा।

उन्होंने कहा कि शिक्षक को शिक्षा विद मात्र न होकर आचरण विद भी होना चाहिए। वही उन्होने कहा पर की पीड़ा को देखकर उसे दूर करने का प्रयत्न करने मात्र से स्वयं की पीड़ा भी दूर होती है। और जो व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों की भी सेवा न कर सके, वह दूसरों की पीड़ा भी नहीं समझ सकते। महाराज ने आगे कहा कि सम्राट (राजा)की संगति की अपेक्षा संतों की संगति करें और यदि संत न मिलें तो बुजुर्गों की संगति करें, उनकी एक एक झुर्रियों से सैंकडों सीख मिलती है।

मुनि श्री के मंगल पाद प्रक्षालन का सौभाग्य विधान के सौधर्म इंद्र शची इन्द्राणी बने डॉ चक्रेश सुमन सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ। और बड़े मुनिराज को नवधा भक्ति करने का पुण्य अवसर अरविंद गौरव सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ। श्री दिगंबर जैन प्रबंधकारिणी सभा पनागर ने सभी सामाजिक जनों से इस अनुष्ठान में बैठकर असीम पुण्य अर्जन करने का निवेदन किया है।

# महाविद्यालय में 'प्रोफेशनल रिज्यूमे राइटिंग' पर हुई कार्यशाला

**सिहोरा, नवभारत।** शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा के वाणिज्य विभाग द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करने की दिशा में 'प्रोफेशनल रिज्यूमे राइटिंग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव के संरक्षण में संपन्न हुआ, जबकि समन्वयन सहायक प्राध्यापक सुश्री रिया अग्रवाल ने किया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता गोविंदराम सेकसरिया वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय (स्वशासी), जबलपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. रामकृष्ण पटेल ने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी रोजगार परिदृश्य में प्रभावी रिज्यूमे की भूमिका से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि रिज्यूमे किसी भी अभ्यर्थी की पहली पेशेवर पहचान होता है,



इसलिए इसमें शैक्षणिक उपलब्धियों, कौशल और अनुभवों का संतुलित व प्रभावी प्रस्तुतीकरण जरूरी है।

उन्होंने रिज्यूमे तैयार करने के आधुनिक तरीके, सामान्य गलतियों और चयनकर्ताओं पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बताया कि आज के दौर में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि कम्युनिकेशन स्किल, प्रेजेंटेशन और स्वयं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता भी सफलता के लिए आवश्यक है।

### हैंड्स-ऑन सत्र रहा आकर्षण का केंद्र

कार्यशाला का मुख्य आकर्षण प्रायोगिक सत्र रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने डॉ. पटेल के मार्गदर्शन में स्वयं अपने रिज्यूमे तैयार किए। इस दौरान उन्हें व्यक्तिगत सुझाव भी दिए गए, जिससे वे उद्योग की जरूरतों के अनुरूप अपने रिज्यूमे को बेहतर बना सकें। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपने-अपने रिज्यूमे का प्रारूप तैयार किया। समन्वयक सुश्री रिया अग्रवाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को डिटेल्ड एप्लीकेशन फॉर्म के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीएएफ भरते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और कैसे अपनी उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए।

कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने रिज्यूमे लेखन, भर्ती प्रक्रिया, करियर प्लानिंग और साक्षात्कार से जुड़े सवाल पूछे। डॉ. पटेल ने सभी जिज्ञासाओं का व्यावहारिक समाधान दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में वाणिज्य विभाग की सुश्री रागिनी कुशवाहा का विशेष योगदान रहा।

# स्वच्छता अभियान की उड़ाई जा रही धज्जियां

**ग्राम पंचायत चिल्हारी में सभी जगह है गंदगी का आलम**

**चिल्हारी नवभारत।** जिले के मानपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत चिल्हारी में शासन द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान की धज्जियां इस तरह उड़ाई गई है कि कितना भी लिखा जाये कम होगा।

गांव के किसी भी गली मोहल्ले का मौका निरीक्षण कर देखा जा सकता है कि बस स्टैंड से लेकर मेन बाजार, ब्राम्हण मोहल्ला, कछियान मोहल्ला, अहीर मोहल्ला ढिमरान मोहल्ला आदि गांव का कोई भी मोहल्ला स्वच्छ नहीं है। स्वच्छता अभियान में शासन द्वारा दी गई रकम सीधे सीधे डकार ली गई। ग्रामीणों को स्वच्छता अभियान का कोई लाभ पंचायत प्रसाशन द्वारा नहीं दिया गया।

### पैदल चलने में भी हो रही मुश्किल

ब्राम्हण मोहल्ले में विगत दस वर्षों से बरसात के मौसम में पैदल चलना मुश्किल हो गया है। इतना कीचड़ है कि पैदल चलने वाले लोग एवं स्कूली बच्चे फिसल कर गिर जाते हैं जिले कलेक्टर महोदय से अपील है कि ब्राम्हण मोहल्ला की सड़क शीघ्र बनाई जाय अन्यथा आमरण अनशन किया जाएगा।

# आजाद के आदर्शों को जीवन में अपनाएं : त्रिपाठी

**युवा मोर्चा ने 120वीं जयंती पर चंद्रशेखर आजाद को दी श्रद्धांजलि**

**शहपुरा नवभारत 23 जुलाई।** भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला डिंडोरी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के निर्देशन तथा प्रदेश महामंत्री राकेश सिंह परस्ते के मार्गदर्शन में शहपुरा स्थित शहीद स्मारक पर स्वाधीनता संग्राम के महान सेनानी अमर शहीद पंडित चंद्रशेखर आजाद की 120वीं जन्म जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पहुंचकर चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा जिला उपाध्यक्ष ज्ञानदीप त्रिपाठी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन साहस, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष भजनदास चक्रवर्ती, युवा मोर्चा जिला महामंत्री हरिहरन रजक, मंडल महामंत्री नितिन गुप्ता, सत्यम मानिकपुरी, नीरज राजपूत, आदित्य राज गुप्ता, ईशान पाठक, हिमांशु अग्रवाल, रविश साहू, साहिल साहू, मुदित गुप्ता तथा पूर्व युवा मोर्चा जिला महामंत्री अरुण गुप्ता (गोलू) सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

# झाली टोला में कीचड़ से आवागमन हो रहा बाधित

**शिव मंदिर चतुर्वेदी चौक झाल में सड़क निर्माण नहीं होने से हो रही परेशानी**

**चिल्हारी नवभारत 23 जुलाई।** जिले के मानपुर जनपद के ग्राम पंचायत झाल के झाली टोला में मुख्य चौराहा शिव मंदिर चतुर्वेदी चौक झाल, जहां से ग्राम के लोगो का आवागमन मुख्य रूप से होता है, इन दिनों रास्ता कीचड़ की भेंट चढ़ा हुआ है। लोगों का पैदल निकलना मुश्किल है।

यह झाली टोला का मुख्य चौराहा है, जहां से विद्यालय के छात्र छात्राओं अपने गन्तव्य विद्यालय के लिए आते जाते है, शिव मंदिर में सुबह-शाम भक्त दर्शन पूजा करने के लिए आते है एवं दिन में ग्रामीण उसी रास्ते से होकर अपने खेत खलिहान आते-जाते हैं। सोन नदी तक जाने के लिए भी यही एकमात्र रास्ता है, लेकिन इन दिनों यह चौराहा परेशानी का सबब बना हुआ है।

कई बार जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन अपनी समस्या ग्राम पंचायत मे पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों को बताये लेकिन कोई हल नहीं निकला न ही किसी ने सुध ली. ग्रामीण जनों के अनुसार इस चौराहे के लगभग 20 से 25 मीटर ही सड़क निर्माण नहीं हुआ है बाकि जगह सडक निर्माण है इस चौराहे को छोड़ दिया गया था, जिसका परिणाम आज तक ग्रामीण भुगत रहे है.

### कलेक्टर से लगाएंगे गुहार

ग्रामीणों के अनुसार कई बार हमारे द्वारा ग्राम पंचायत झाल के सरपंच सचिव को चौराहा मे सड़क निर्माण की बात कही गई, लेकिन इनके द्वारा टाल दिया जाता है, जबकि यह चौराहे में सड़क निर्माण अत्यंत आवश्यक है ग्रामीण द्वारा बताया गया कि हम लोग अपनी मांग को लेकर जिले कलेक्टर के पास जायेंगे और अपनी समस्या से अवगत करवाएंगे।

**आरोप** आरटीआई के 16 कड़े सवाल पर विभागीय गलियारे में हड़कंप, बिना विज्ञापन और स्वीकृति के 'बैकडोर एंट्री' देने का गंभीर आरोप

# मझौली वन परिक्षेत्र में चल रहा 'कागजी चौकीदारों' का खेल!

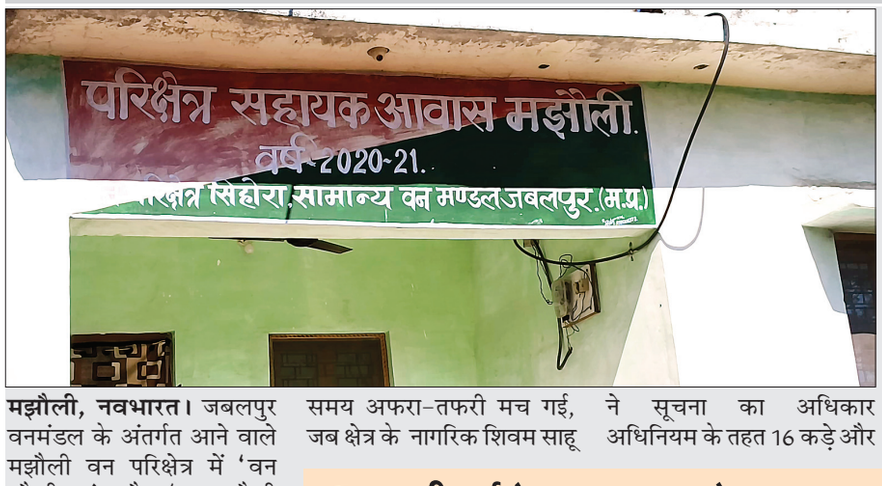




**मझौली, नवभारत।** जबलपुर वनमंडल के अंतर्गत आने वाले मझौली वन परिक्षेत्र में 'वन चौकीदार' और 'वन चौकी सहायकों' की नियुक्तियों को लेकर एक बड़ा प्रशासनिक घापला और वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आ रहा है।

बताया जाता है कि मामले को लेकर मैदानी अमले से लेकर वन परिक्षेत्र कार्यालय तक उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब क्षेत्र के नागरिक शिवम साहू ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत 16 कड़े और तीखे बिंदुओं पर पूरी जानकारी मांग ली।

### क्या है पूरा मामला?

क्षेत्रीय ग्रामीणों और प्राप्त शिकायतों के अनुसार, मझौली वन परिक्षेत्र में मैदानी स्तर पर नियुक्तियों का फर्जीवाड़ा लंबे समय से फल-फूल रहा था जिसको लेकर आरोप है कि कई बीटों में ज़मीनी स्तर पर कोई चौकीदार तैनात ही नहीं है, लेकिन कागजों पर फर्जी नाम दर्ज कर हर महीने सरकारी खजाने से मानदेय का बजट आहरित किया जा रहा है। वहीं बिना किसी स्वीकृत पद, पारदर्शी चयन प्रक्रिया या वैध विज्ञापन के केवल चहेतों और सिफारिशियों को मानदेय की 'मलाई' चखाई जा रही है।

### 30 दिनों का अल्टीमेटम के साथ प्रथम अपील की तैयारी

आवेदक शिवम साहू ने स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा है कि यदि वन विभाग ने 30 दिनों की निर्धारित समयावधि के भीतर प्रमाणित और स्पष्ट दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए, तो वे धारा 19(1) के तहत प्रथम अपील दायर करेंगे। साथ ही, नियमानुसार जानकारी न मिलने पर विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए राज्य सूचना आयोग तक का दरवाजा खटखटाया जाएगा। ऋद्ध से निकलने वाले तथ्य यदि उजागर होते हैं, तो कई बड़े चेहरों की गर्दन फंसना तय माना जा रहा है।

### आरटीआई के 3 चक्रव्यूह वाले सवाल पर अफसरों के उड़े होश

बताया जाता है कि आवेदन में पूछे गए 16 बिंदुओं में से तीन सबसे प्रमुख सवाल विभाग की साख पर सीधे सवालिया निशान खड़े कर रहे हैं, जिनमें चौकीदार या सहायक रखने की लिखित अनुशंसा किस बीट गार्ड या डिप्टी रेंजर ने की और इसे अंतिम मंजूरी देने वाले सक्षम अधिकारी कौन थे? क्या इन तथाकथित चौकीदारों के मूल आवेदन, पुलिस वेरिफिकेशन (चरित्र प्रमाण पत्र) और आधिकारिक बैंक खातों का रिकॉर्ड विभाग के पास सुरक्षित है? तीसरा सवाल था कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में इन कर्मचारियों को किस मद, किस प्रशासनिक आदेश और किस दर पर मानदेय का भुगतान किया गया?



# निर्धारित मानकों का कड़ाई से किया जाए पालन

**कलेक्टर ने अमरकंटक एमआरएफ सेंटर का किया निरीक्षण**

**अनूपपुर, नवभारत 23 जुलाई।** कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बुधवार को नगर परिषद अमरकंटक स्थित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर का निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था एवं वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कचरा संग्रहण, पृथक्करण, प्रसंस्करण एवं निष्पादन की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि अमरकंटक प्रदेश की महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है। ऐसे में यहां स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे का शत-प्रतिशत स्रोत स्तर पर पृथक्करण सुनिश्चित किया जाए, ताकि ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से प्रभावी प्रबंधन किया जा सके।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नगरीय क्षेत्र में कहीं भी कचरा डंप न किया जाए तथा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ही उसका संग्रहण एवं प्रसंस्करण किया जाए। कलेक्टर ने एमआरएफ सेंटर के नियमित संचालन, परिसर की साफ-सफाई और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की सभी प्रक्रियाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने अधिकारियों से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा।